प्रेषक,

राजेन्द्र सिंह, उप सचिव,

उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक, प्राविधिक शिक्षा उत्तरांचल, श्रीनगर गढवाल।

शिक्षा अनुभाग-8 (तकनीकी)

देहरादूनः दिनांक / 🛭 मार्च2005

विषय:- प्राविधिक शिक्षा विभाग की आयोजनागत योजना के अन्तर्गत अवशेष स्वीकृत धनराशि के प्रस्ताव के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-8008 / नि०प्रा०शि० / प्लान-छः-1 / 2004-05 दिनांक 2-3-2005 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आपके द्वारा उक्त पत्र में वर्णित स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए राज्यपाल महोदय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004-05 में संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र के अनुसार प्राविधिक शिक्षा विभाग में राजकीय पालीटेक्निकों हेतु मशीनें और सज्जा / उपकरण और संयत्र हेतु कुल रू० 15.00 लाख (रूपये पन्द्रह लाख मात्र) की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है।

2— उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2004—05 में आय व्ययक में उल्लिखित धनराशि संलग्न पुनर्विनियोग के प्रपत्र के कालम—5 में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत इकाईयों के नामें

डाला जायेगा तथा पुनर्विनियोग प्रपत्र के कालम -1 की बचतों से वहन किया जायेगा।

3- व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।

4— यह आदेश वित्त विभाग अशासकीय संख्या—441/वित्त अनुभाग—4/ 2005 दिनांक 16.3.2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,

(राजेन्द्र सिंह) उप सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।

2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, पौडी।

3- वित्त अनुभाग-4/ नियोजन अनुभाग।

4- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।

5- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार शर्मा) अनुसचिव।

संख्या-236 / XXIV(8) / 2005 / -35 / 2004 दिनांक 18-3-2-10-5 प्रपत्र बी०एम0—15 का संलग्नक

(पैरा-158)

नियंत्रक अधिकारी— अपर मुख्य सचिव, तकनीकी शिक्षा विभाग

प्रशासकीय विभाग तकनीकी शिक्षा अनुदान संख्या–11(धनराशि हजार रूपयें में)

t	1000	8000	1500	2500	1	9	योग 2500
f.	1000	8000	26— मशीनें और सज्जा / (6500) 1500 उपकरण और संयत्र	2500		ij.	20—सहायक अनुदान / 2500 अशंदान / राजसहायता
			2203— तकनीकी शिक्षा 105— बहुशिल्प (पाली0) विद्यालय 03— सामान्य पाली0 आयोजनागत				2203— तकनीकी शिक्षा 104— अराजकीय तकनीकी कालेजों तथा संस्थानों को सहायता 04—मान्यता प्राप्त प्राविधिक निजी शिक्षण संस्थाओं को प्रोत्साहन स्वरूप अनुदान आयोजनागत
8	7	6	Si	4	3	2	1
अभ्याक्त	पुनावानयाग के बाद अवशेष धनराशि (4—5)	पुनावानयाग के बाद कुल धनराशि	लखाशाषक जिनम धनराश स्थानान्तरित किया जाना है (मानक मद)	अवशष (सरप्लस धनराशि)	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में व्यय	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय	बजट प्राविधान तथा लेखाशीषक का विवरण (मानक मद)

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनर्विनियोग में बजट मैनुवल के परिच्छेद 150, 151,155, 156 में उल्लिखित प्रतिबन्धों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

(राजेन्द्र सिंह) उप सुचिव।